



NCERT Solutions For Class 9 Kshitiz II Hindi Chapter 5

1. बालिका मैना ने सेनापति 'हे' को कौन-कौन से तर्क देकर महल की रक्षा के लिए प्रेरित किया ?

उत्तर:- बालिका मैना ने अपने पिता के महल की रक्षा के लिए निम्नलिखित तर्क दिए —

1. मैना ने तर्क दिया कि महल को गिराने से सेनापति की किसी उद्देश्य की पूर्ति न हो सकेगी।
2. मैना ने अंग्रेजों के विरुद्ध शस्त्र उठाने वालों को दोषी बताया और कहा कि इस जड़ पदार्थ मकान ने उसका कोई अपराध नहीं किया।
3. अंत में मैना ने सेनापति 'हे' को अपना परिचय देकर कहा कि उन्हें उनकी पुत्री मेरी की सहेली की रक्षा करनी ही चाहिए।

2. मैना जड़ पदार्थ मकान को बचाना चाहती थी पर अंग्रेज़ उसे नष्ट करना चाहते थे। क्यों ?

उत्तर:- मैना अपने मकान को बचाना चाहती थी क्योंकि वह मकान उसकी पैतृक धरोहर थी। उसी में मैना की बचपन की, पिता की, परिवार की यादें समाई हुई थीं। वह उसके जीवन का भी सहारा हो सकता था। इसलिए वह उसे बचाना चाहती थी।

नाना साहब ने अंग्रेज सरकार को बहुत हानि पहुँचाई थी। अंग्रेज़ों के लिए वह राजमहल उनके दुश्मन नाना साहब की निशानी था। वे उनकी हर निशानी को मिट्टी में मिला देना चाहते थे, ताकि देश में फिर से कोई अंग्रेज़ों के विरुद्ध आवाज़ न उठाए।

3. सर टामस 'हे' के मैना पर दया-भाव के क्या कारण थे ?

उत्तर:- सर टामस 'हे' की मृत पुत्री मेरी मैना की प्रिय सखी थी। दूसरा कारण यह रहा होगा कि हे मैना के घर आते रहे थे और तब वे मैना को अपनी पुत्री के समान ही प्यार करते थे। मैना के रूप में उन्हें अपनी पुत्री मेरी की छवि दिखाई दी होगी और उनके मन में ममता जाग गई होगी। ये सभी कारण रहे होंगे कि हे के मन में मैना पर दया भाव उत्पन्न हुआ।

4. मैना की अंतिम इच्छा थी कि वह उस प्रासाद के ढेर पर बैठकर जी भरकर रो ले लेकिन पाषाण-हृदय वाले जनरल ने किस भय से उसकी इच्छा पूर्ण न होने दी ?

उत्तर:- मैना महल के ढेर पर बैठकर जी भर कर रो लेना चाहती थी पर पाषाण — हृदय जनरल अउटरम ने उसकी यह इच्छा पूरी न होने दी। जनरल अउटरम के मन में भय रहा होगा कि अगर उसने नाना साहब की बेटी के प्रति ज़रा भी सहानुभूति दिखाई तो ब्रिटिश सरकार का गुस्सा उस पर फूट पड़ेगा। उसे इसके लिए दंड भी मिल सकता है। क्रोध से पागल सामान्य, अंग्रेज़ नागरिक भी उस पर नाराज़गी प्रकट करेंगे। इस कारण उसने मैना की यह छोटी-सी इच्छा भी पूरी न होने दी।

5. बालिका मैना के चरित्र की कौन-कौन सी विशेषताएँ आप अपनाना चाहेंगे और क्यों ?

उत्तर:- बालिका मैना के चरित्र से हम देश-प्रेम की भावना, साहसीपन, स्पष्ट वक्ता, भावुकता और तर्कशीलता की विशेषताएँ अपनाना चाहेंगे। क्योंकि यह कुछ ऐसे गुण हैं जिससे मनुष्य का चारित्रिक विकास होता है जिससे वह अपने साथ-साथ देश के विकास में सहभागी होगा।

6. 'टाइम्स' पत्र ने 6 सितम्बर को लिखा था — 'बड़े दुख का विषय है कि भारत सरकार आज तक उस दुर्दांत नाना साहब को नहीं पकड़ सकी'। इस वाक्य में 'भारत सरकार' से क्या आशय है ?

उत्तर:- यहाँ भारत सरकार से आशय है — ब्रिटिश शासन के अंतर्गत चलने वाली भारत सरकार जिसे अंग्रेज़ अधिकारी चलाते थे।

• रचना और अभिव्यक्ति

7. स्वाधीनता आंदोलन को आगे बढ़ाने में इस प्रकार के लेखन की क्या भूमिका रही होगी ?

उत्तर:- स्वाधीनता आंदोलन को मैं समाज के लोगों को संदेश पहुँचाने में लेखों की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही होगी। लोग जब अंग्रेज़ों के अत्याचारों को पढ़ते होंगे तो उनके विरुद्ध हो जाते होंगे। जब वे मैना जैसी निडर बालिका के निर्मम वध की बात सुनते होंगे तो उनका हृदय करुणा से भर उठता होगा और मैना के बलिदान से देशभक्ति की प्रेरणा मिली होगी। यही भाव स्वाधीनता आंदोलन को बढ़ाने में मददगार सिद्ध हुआ होगा।

8. कल्पना कीजिए कि मैना के बलिदान की यह खबर आपको रेडियो पर प्रस्तुत करनी है। इन सूचनाओं के आधार पर आप एक रेडियो समाचार तैयारी करें और कक्षा में भावपूर्ण शैली में पढ़ें।

उत्तर:- यह आकाशवाणी का कानपूर चैनल है। आज रात्रि के संध्या समाचारों में मैनादेवी के बलिदान पर एक संक्षिप्त समाचार सुनाया जा रहा है। समाचार के प्रस्तुतकर्ता है श्री रवि वर्माजी। अत्यंत दुःख के साथ यह सूचित किया जाता है कि कल सांयकाल के समय मैनादेवी का दुखद अवसान हो गया है। समाचार यह है कि अंग्रेज जनरल अउटरम द्वारा बड़ी ही अमानवीयता के साथ मैनादेवी को जलती हुई आग में भस्म कर दिया गया। सारा शहर इस क्षोभ से अत्यंत क्रुद्ध तथा दुखी है। भले ही आज मैनादेवी इस नश्वर संसार को त्याग कर परमधाम में चली गई है, परन्तु उनका यह बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा आने वाले समय में देशवासियों को प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। धन्यवाद।

***** END *****